Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 18-03-2006
Participants : Maheshwari Smt. Kiran

an>

Title : Regarding conservation of Forts of national importance in Rajasthan.

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में बहुत सारे महल और किले हैं जिनके संरक्षण की ओर मैं आपके माध्यम से सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग का ध्यान आकर्ति करना चाहती हूं। हमारे देश के गौरवशाली इतिहास में राजस्थान की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। राजस्थान में एक राजसमुंद जिला है जो कि मेरे ही निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। वहां पर कुम्भलगढ़ का किला है जो प्रातःस्मरणीय महाराणा प्रताप की जन्मस्थली है। वह किला एएसआई के अंतर्गत आता है परंतु इस विभाग ने उस किले के संरक्षण के लिए कोई योजना नहीं बनाई है। पूर्व में वहां 365 मंदिर हुआ करते थे परंतु वर्तमान में मात्र 85 मंदिर रह गए हैं और बाकी सब टूट चुके हैं। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी और सरकार से निवेदन है कि जब पुरातत्व विभाग वहां टिकट के रूप में पैसा एकत्रित करता है तो वहां कुछ खर्च भी करे। यह एक ऐतिहासिक स्थल है जिसे देखने के लिए केवल देशी ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटक भी आते हैं। ऐसी स्थिति में विदेशी पर्यटक भी आपस में बात करते हैं कि भारत सरकार की कैसी व्यवस्था है कि इतने सारे महल और किले बने हुए हैं परंतु वह उनका संरक्षण नहीं कर पाती। हम सब लोगों को भी इससे बहुत दुख होता है। इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि ऐसे जो पुराने किले हैं, जो हज़ारों वर्ा पुराने हैं, उनके संरक्षण के लिए एक ऐसी निधि आरक्षित होनी चाहिए जिससे उन किलों को बचाया जा सके। इन किलों का संरक्षण अवश्य किया जाना चाहिए, भले ही उसमें करोड़ों रुपये लगें। यह हमारा इतिहास है, और यदि हम अपने इतिहास को भुला देंगे तो शायद हम विश्व में अपनी पहचान खो देंगे। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग केवल पैसा कलैक्ट करने का काम ही न करे। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट तो 100 डॉलर की लगाते हैं, लेकिन उतना पैसा भी यदि वहां लगा दें तो बहुत बड़ा काम होगा। इसलिए मैं निवेदन करना चाहती हूं कि कुम्भलगढ़ का किला जो प्रातःस्मरणीय महाराणा प्रताप की जन्मभूमि है, तथा ऐसे और भी जो किले हैं, जैसे चित्तौड़ का किला है या उदयपुर में हैं, इन सारे किलों के संरक्षण के लिए एक योजना बनाई जाए।